

10

Order or Proceeding

वायक मजिष्ठे हा प्रेमिनि प्रण
मिला मिष्ट पण

Officer

Signature of _____

महेश्वर

ANNEXION

192014

ଆସିବାକୁ ପଡ଼ା

आरक्षक / आरक्षक

THE BIBLE

131

21611 Oct

31510

दण्डनीय

अपर/अध के संगंध में अभियक्त / अनियक्तगण के विरुद्ध अगियोग

पञ्च/परिवाद पत्र प्रस्तुत किया गया।

राज्य द्वारा ए०डी०पी०ओ०

११५५८

अभियुक्त / अभियुक्तगण किन् 510 खपुर्वी मि ६

3.16125

निवासी / निवासिगणः ०२१९१३०॥ कान् ११०५४

July 11th

1110

उपरिस्थित । आग्नियक्त / अग्नियुत्तराण

1111.121900 / 1111.121900

五

किया ।

अग्नियोग पत्र / परिवाद पत्र भगवद्गीते के भीतर प्रस्तुत किया गया

—
ند

प्रकरण में 'संज्ञान' के विषय पर विचार किया गया। अभियोग

[illegible]

अभिव्यक्ता / अभिव्यक्तगण

[illegible]

600351/16

1850

11-21-11

1875

तूनि, गागला सक्षिप्त विचारणीय है। अतः सक्षिप्त विचारण प्रारण किया गया। अभियुक्त/अभियुक्तगण के विरुद्ध धारा भा0द0सं0/

अधिनियम के अधीन अपराध की विशिष्टियां विरचित कर अभियुक्त को पढ़कर सुनाये और समझाये जाने पर अभियुक्त ने अपराध करना स्वेच्छया स्वीकार किया। अतः अभिवाक्य यथा संभव उसके शब्दों में लेखबद्ध किया गया।

अभियुक्त/अभियुक्तगण की स्वेच्छया अपराध की स्वीकारोक्ति को ध्यान में रखते हुए निर्णय प्रस्तुत से तजिता कराकर हस्ताक्षरित, दिनांकित, गुद्रांकित कर घोषित किया गया। अभियुक्त को उक्त अपराध के अधीन दोषसिद्ध करते हुए न्यायालय अवसान तक की अवधि के दण्ड एवं 500/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड के संदाय में व्यतिक्रम की दशा में अभियुक्त को 7 दिवस का साधारण कारावास भुगताया जावे।

निर्णय की निःशुल्क प्रति अभियुक्त को प्रदान कर पावती ली जाये।

जप्तसुदा संपत्ति रुपये राजसात चिन्ने जायें। संपत्ति मूल्यहीन होने से नष्ट कर व्ययनित की जाये। जप्तसुदा वाहन की दशा में वाहन उसके स्वामी को लौटाया जाये। सुपुर्दगी की दशा में सुपुर्दगीनामा निरस्त किया जाता है तथा अपील की दशा में माननीय अपीलीय न्यायालय के आदेशों का पालन हो।

प्रकरण का परिणाम आपराधिक पंजी में पंजीबद्ध कर विहित आयुधों में अभिलेख संचयन हेतु आवश्यक प्रतिपूर्ति उपरांत अभिलेखागार प्रेषित किया जाये।

प्रथम श्रेणी
Judicial Magistrate First Class
Gohabari District (M.P.)

पुनश्च

निर्णयानुसार अभियुक्त/अभियुक्तगण ने अर्थदण्ड की राशि रु 500/- रुपये अदा की जिसकी पावती बुक में क 5624 रसीद 96 दी गई

अभियुक्त/अभियुक्तगण को सजा भुगतान हुई

प्रकरण सम्पन्न निवेदन अतः प्रत्युत्तर है।

उपस्थित
उपस्थित
उपस्थित